

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1924

उत्तर दिनांक 12/12/2024 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा क्षमता के विस्तार हेतु योजनाएँ

1924. श्री संजय राउत

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) आगामी दशक में परमाणु ऊर्जा क्षमता के विस्तार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है, तथा इस विस्तार को देश के व्यापक ऊर्जा मिश्रण में किस प्रकार एकीकृत किया जाएगा;
- (ख) नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के विकास के लिए कितने राज्यों की पहचान की गई है और इन परियोजनाओं के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;
- (ग) क्या सरकार दूरदराज और अल्पसेवित क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध कराने के लिए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के उपयोग पर विचार कर रही है, यदि हां, तो इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है; और
- (घ) सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में परमाणु संयंत्रों को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने में पेश आ रही अवसंरचना संबंधी चुनौतियों का समाधान किस प्रकार करने की योजना बना रही है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) वर्तमान में, नाभिकीय विद्युत की वर्तमान क्षमता 8180 मेगावाट को वर्ष 2031-32 तक 22480 मेगावाट तक बढ़ाने की योजना लागू की जा रही है। नाभिकीय ऊर्जा विस्तार वर्ष 2070 तक देश के ऊर्जा मिश्रण को शुद्ध शून्य में परिवर्तित करने हेतु देश के ऊर्जा क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने की रणनीति का एक हिस्सा है।
- (ख) एनपीसीआईएल द्वारा कार्यान्वयनाधीन नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है :

राज्य	स्थान	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)
निर्माण/कमीशनन के अधीन परियोजनाएं			
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी-7 व 8	2 X 700
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी-3 व 4	2 X 1000
		केकेएनपीपी-5 व 6	2 X 1000
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-1 व 2	2 X 700
पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं			
कर्नाटक	कैगा	कैगा-5 व 6	2 X 700
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-3 व 4	2 X 700
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका-1 व 2	2 X 700
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा-1 व 2	2 X 700
		माही बांसवाड़ा-3 व 4	2 X 700

(ग) व (घ) यह परिकल्पना की गई है कि लघु मॉड्यूलर रिएक्टर को दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित किया जा सकता है जहां की कुल ऊर्जा मांग को लघु रिएक्टरों द्वारा पूरा किया जा सकता है। इन संयंत्रों को स्व-उत्पादित (कैप्टिव) विद्युत संयंत्रों के रूप में स्थापित किया जा सकता है जिससे मुख्य ग्रिड से जोड़ने हेतु मानदंड की आवश्यकता नहीं है।
